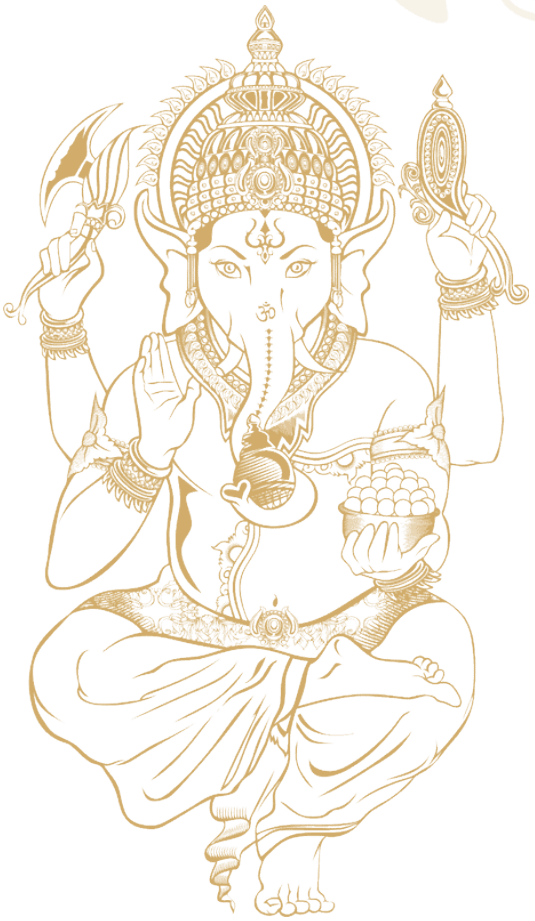

Jagrat

05 Jun 1996

02:32 PM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120953213

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/06/1996**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**14:32:00 घंटे**
इष्ट	22:28:34 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:05:20 घंटे
वेलान्तर	00:01:31 घंटे
साम्पातिक काल	07:01:36 घंटे
सूर्योदय	05:32:34 घंटे
सूर्यास्त	19:17:58 घंटे
दिनमान	13:45:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:16:16 वृष
लग्न के अंश	20:02:17 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ब्रह्म
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिलावन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	20:02:17	320:58:49	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	---
सूर्य			वृष	21:16:16	00:57:25	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	10:10:10	14:44:30	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	सम राशि
मंगल			वृष	01:05:35	00:43:21	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
बुध			मेष	28:40:04	00:37:25	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	सम राशि
गुरु	व		धनु	22:25:41	00:05:30	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र	व		वृष	29:34:31	00:34:25	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	स्वराशि
शनि			मीन	12:08:59	00:04:07	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कन्या	20:27:13	00:03:11	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	20:27:13	00:03:11	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	10:34:39	00:01:17	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:42:02	00:01:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	07:39:45	00:01:36	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			मिथु	20:28:56	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

के.पी. अयनांश : 23:42:12

लग्न-चलित

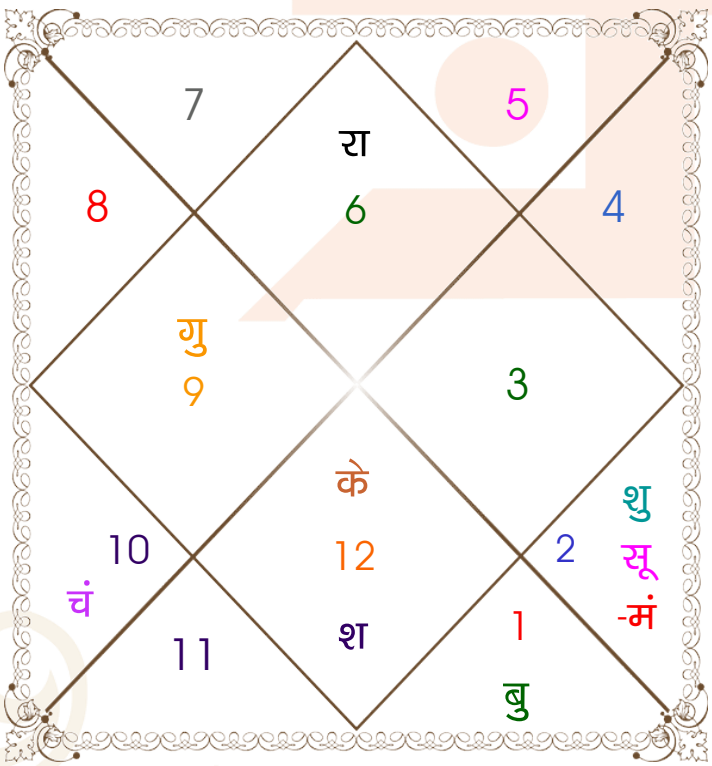

चन्द्र कुंडली

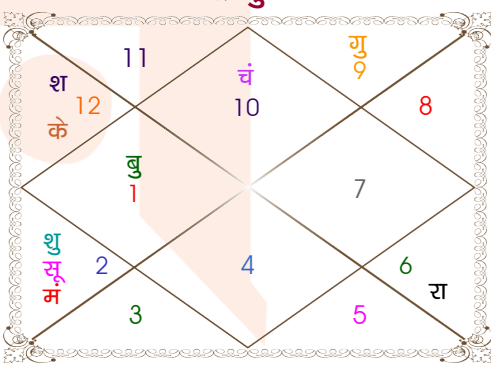

नवमांश कुंडली

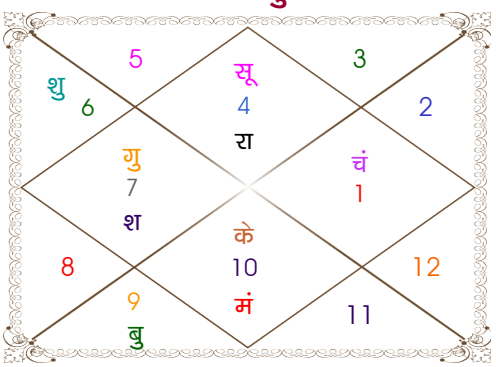

SHREE GANESH JYOTISH KARYALAY
JAIPUR
9782530003
shelendra.gour27@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 10 मास 14 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/06/1996		20/04/2006		20/04/2013		20/04/2031		20/04/2047	
20/04/2006		20/04/2013		20/04/2031		20/04/2047		20/04/2066	
चंद्र	18/02/1997	मंगल	16/09/2006	राहु	01/01/2016	गुरु	08/06/2033	शनि	23/04/2050
मंगल	19/09/1997	राहु	05/10/2007	गुरु	27/05/2018	शनि	20/12/2035	बुध	31/12/2052
राहु	21/03/1999	गुरु	10/09/2008	शनि	02/04/2021	बुध	27/03/2038	केतु	09/02/2054
गुरु	20/07/2000	शनि	20/10/2009	बुध	20/10/2023	केतु	03/03/2039	शुक्र	11/04/2057
शनि	18/02/2002	बुध	17/10/2010	केतु	07/11/2024	शुक्र	01/11/2041	सूर्य	24/03/2058
बुध	21/07/2003	केतु	15/03/2011	शुक्र	07/11/2027	सूर्य	20/08/2042	चंद्र	23/10/2059
केतु	19/02/2004	शुक्र	14/05/2012	सूर्य	01/10/2028	चंद्र	20/12/2043	मंगल	01/12/2060
शुक्र	20/10/2005	सूर्य	19/09/2012	चंद्र	02/04/2030	मंगल	25/11/2044	राहु	08/10/2063
सूर्य	20/04/2006	चंद्र	20/04/2013	मंगल	20/04/2031	राहु	20/04/2047	गुरु	20/04/2066

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
20/04/2066		20/04/2083		20/04/2090		21/04/2110		21/04/2116	
20/04/2083		20/04/2090		21/04/2110		21/04/2116		00/00/0000	
बुध	16/09/2068	केतु	17/09/2083	शुक्र	20/08/2093	सूर्य	09/08/2110	चंद्र	06/06/2116
केतु	13/09/2069	शुक्र	16/11/2084	सूर्य	20/08/2094	चंद्र	07/02/2111		00/00/0000
शुक्र	14/07/2072	सूर्य	24/03/2085	चंद्र	20/04/2096	मंगल	15/06/2111		00/00/0000
सूर्य	20/05/2073	चंद्र	23/10/2085	मंगल	20/06/2097	राहु	09/05/2112		00/00/0000
चंद्र	20/10/2074	मंगल	21/03/2086	राहु	21/06/2100	गुरु	25/02/2113		00/00/0000
मंगल	17/10/2075	राहु	08/04/2087	गुरु	20/02/2103	शनि	07/02/2114		00/00/0000
राहु	05/05/2078	गुरु	14/03/2088	शनि	21/04/2106	बुध	15/12/2114		00/00/0000
गुरु	10/08/2080	शनि	23/04/2089	बुध	19/02/2109	केतु	21/04/2115		00/00/0000
शनि	20/04/2083	बुध	20/04/2090	केतु	21/04/2110	शुक्र	21/04/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 10 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करते रहते हो। आपकी महत्वकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाते कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेते हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैद्यानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाते हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगते हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगे।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यनत संकट ग्रस्त मोड़ दे देते हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरूद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतिजनक गुर्राने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा गृहणी चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगे। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।